एम. ए. पूर्वार्द्ध – हिन्दी साहित्य – 2018–19

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्राचीन काव्य

समय : 3 घंटे **उत्तीर्णांक : 36** **पूर्णांक : 100**

इकाई – 1

1. पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय)– चन्दरवरदाई

रासो शब्द का अर्थ, पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता– अप्रामाणिकता, रासो काव्य परम्परा में पृथ्वीराज रासो का स्थान, पद्मावती समय की विशिष्टता, कथा संगठन, चरित्र–चित्रण, कथानक रूढ़ियां, काव्य सौन्दर्य, रस योजना, प्रकृति चित्रण, भाषा–शैली ।

इकाई – 2

2. वीसलदे रास –भाग तीन – वियोग, संदेश, पुनर्मिलन (छंद संख्या 196 –221) –

सं. डॉ. ब्रजनारायण पुरोहित

रासो शब्द का अर्थ, रासो की प्रामाणिकता, रासो काव्य परम्परा में बीसलदे रास का स्थान, काव्य सौष्ठव, चरित्र चित्रण, वीर और शृंगार रस, भाषा शैली।

इकाई – 3

3. भनई विद्यापति – सं. कृष्ण मोहन झा

गीति काव्य परम्परा और उसमें विद्यापति का स्थान, मुक्तक काव्य और विद्यापति, विद्यापति भक्त या शृंगारी कवि, काव्य शास्त्र और शृंगार वर्णन, विरह वर्णन, सौन्दर्य चित्रण, प्रेम व्यंजना, भाव व्यंजना, काव्य कला और भाषा शैली।

इकाई – 4

4. कबीर ग्रन्थावली :– सं. श्यामसुन्दर दास

साखियां , गुरुदेव को अंग, निहकरमी पतिव्रता को अंग, विरह को अंग,
पद – 1/6/11/18/39/40/43/64/84/92/111 सन्त शब्द का अर्थ , सन्त काव्य परम्परा और उसमें कबीर का स्थान, कबीर का समाज–दर्शन, विद्रोह भावना, दार्शनिकता, रहस्यवाद, भक्ति–भावना, कबीर के राम, भाव–व्यंजना, काव्य–कला, भाषा वैशिष्ट्य।

इकाई –5

5. जायसी ग्रन्थावली (सिंहल द्वीप खंड, नागमती वियोग खंड) – सं. रामचन्द्र शुक्ल

सूफी काव्य परम्परा और उसमें जायसी का स्थान, सूफी शब्द का अर्थ, पद्मावत का महाकाव्य, काव्य सौन्दर्य, प्रेम भावना, रहस्यवाद, रस योजना, वियोग वर्णन, प्रकृति सौन्दर्य वस्तु वर्णन, लोक तत्त्व, अन्योक्ति है या समासोक्ति, कथानक रूढ़ियां, काव्य सौष्ठव।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र तीन खंडों क्रमशः अ, ब, और स में विभक्त होगा।
2. खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
3. खंड ब में प्रत्येक इकाई से एक चुनते हुए व्याख्या संबंधी कुल 7 व्याख्या प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 व्याख्याओं को अनिवार्य रूप से हल करना होगा।
4. खंड स में पांचों इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 2 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करने होंगे।
5. प्रश्न–पत्र वर्तमान में निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार हो।

विस्तृत अंक योजना –

खण्ड	कुल प्रश्न	अनिवार्य प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	शब्द सीमा	विवरण
अ	10	10	2	20	50	खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
ब	7	5	8	40	200	5 इकाइयों में से 7 व्याख्या संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से 5 प्रश्न अनिवार्य रूप से विद्यार्थियों को हल करने होंगे।
स	4	2	20	40	500	5 इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएं –जिनमें प्रत्येक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न पूछा जाएं।

सहायक ग्रन्थ –

1. रासो विमर्श – डॉ. माताप्रसाद गुप्त
2. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ. नामवर सिंह,
3. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान काव्य – डॉ. श्याम मनोहर पाण्डेय
4. हिन्दी साहित्य का निर्गुण सम्प्रदाय – डॉ. पिताम्बर दत्त बड़थ्वाल
5. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
6. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. कबीर – सं. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
8. कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी
9. कबीर एक नई दृष्टि – रघुवंश
10. कबीरदास विविध आयाम – सं. प्रभाकर श्रोत्रिय
11. कबीर – राधाकृष्णन मूल्यांकन माला
12. जायसी के काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. भीमसिंह मलिक
13. जायसी ग्रन्थावली भूमिका– रामचन्द्र शुक्ल
14. मलिक मुहम्मद जायसी – कन्हैया सिंह
15. जायसी एक नई दृष्टि – रघुवंश
17. जायसी – विजयदेव नारायण साही
18. आदिकालीन साहित्य – डॉ. हरीश
19. विद्यापति का काव्य – डॉ. कश्यपदेव भाटी
20. विद्यापति – शिवप्रताप सिंह
21. हिन्दी के प्राचीन कवि – डॉ. विमल